RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शनिवार 04 अगस्त 2023 वर्ष 05 अंक 101 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 8 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

सीएम शिंदे का उद्धव ठाकरे पर बड़ा हमला...

अब सबको पता चले कि महाराष्ट्र का 'महा गद्दार' कौन

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को उद्धव ठाकरे का नाम लिए बिना बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह पता लगाना चाहिए कि किसने लोगों के जनादेश, बाल ठाकरे की विचारधारा और 25 साल के सहयोगी को धोखा दिया। लेकिन अब समय आ गया है कि सबको पता चले कि महाराष्ट्र का 'महा गद्दार' कौन है।

हमें पिछले एक साल से हमें गद्दार कहा जा रहा है

सीएम शिंदे ने विधानसभा में कहा कि पिछले एक साल से हमें गद्दार कहा जा रहा है। अब इसे हमेशा के लिए खत्म करने का समय आ गया है। जो लोग हम पर 'गद्दार' होने का आरोप लगाते हैं, उन्होंने हमसे पत्र लिखकर 50 करोड़ रुपये लौटाने के लिए कहा, मैंने निर्देश दिया है कि इसे वापस किया जाना चाहिए। मैं आपकी संपत्ति पर दावा नहीं करता। मेरी संपत्ति बालासाहेब ठाकरे की विचारधारा है। सीएम शिंदे पिछले जून में ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना को विभाजित करने के बाद पार्टी फंड पर विवाद का जिक्र कर रहे थे।

महा विकास अघाड़ी सरकार के दौरान शिक्षा, आर्थिक निवेश का स्तर गिर गया था

उन्होंने कहा, महा विकास अघाड़ी सरकार के दौरान, शिक्षा, विचारधारा, आर्थिक निवेश का स्तर गिर गया था। जो खो गया, उसे हम सुधार रहे हैं। सीएम शिंदे ने कहा, भारत दसवें स्थान से उठकर पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरे स्थान का लक्ष्य बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि एमवीए शासन के दौरान, महाराष्ट्र कर्नाटक और गुजरात के बाद देश में तीसरे स्थान पर खिसक गया था, लेकिन उनकी सरकार को 1.17 लाख करोड़ रुपये का निवेश मिला और राज्य का शीर्ष स्थान पर आ गया है।

बारसु रिफाइनरी परियोजना में देरी से पाकिस्तान को फायदा हुआ

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि बारसु रिफाइनरी परियोजना में देरी के कारण एक विदेशी भागीदार ने पाकिस्तान में निवेश किया और पड़ोसी देश को फायदा पहुंचाया। डिप्टी सीएम फड़णवीस ने विधान परिषद में कहा कि कुछ लोग जो देश में विकास नहीं चाहते हैं उन्हें ''आरे, बुलेट ट्रेन और बारसु रिफाइनरी परियोजना और यहां तक कि नर्मदा बचाओ आंदोलन'' के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में देखा जा सकता है। फडणवीस ने दावा किया कि

किसानों को होने वाले नुकसान से राहत देने वाला विधेयक महाराष्ट्र विधानसभा में पेश किया

महाराष्ट्र सरकार ने शुक्रवार को विधानसभा में एक विधेयक पेश किया जिसका उद्देश्य मिलावटी बीज, घटिया या गलत ब्रांड वाले बीज, उर्वरक या कीटनाशकों के कारण होने वाले नुकसान के लिए किसानों को मुआवजा प्रदान करना है। विधेयक में देरी की स्थिति में मुआवजे का भुगतान एक महीने के भीतर या 12 प्रतिशत प्रति वर्ष ब्याज के साथ करने का प्रस्ताव है। कृषि मंत्री धनंजय मुंडे द्वारा पेश किया गया विधेयक किसानों की शिकायतों को दर्ज करने और उनसे निपटने की प्रक्रिया और फसल के नुकसान के आकलन और मूल्यांकन के लिए समयबद्ध तरीके से जांच करने की प्रक्रिया प्रदान करता है। विधेयक में अपील दायर करने से पहले मुआवजे की राशि का 50 प्रतिशत जमा करने का भी प्रावधान है।

महाराष्ट्र का महा गद्दार कौन है

उन्होंने कहा कि यह पता लगाने का समय आ गया है कि महाराष्ट्र का महा गद्दार कौन है। शिंदे गुट ने उद्धव ठाकरे पर राकांपा और कांग्रेस से हाथ मिलाकर अपने पिता की विचारधारा और पुरानी सहयोगी भाजपा को धोखा देने का आरोप लगाया। बता दें कि सीएम शिंदे ने शिवसेना के विधायक तोड़कर भाजपा के साथ सरकार बना ली थी, जिसके बाद उद्धव ठाकरे ने कई बार शिंदे को गद्दार कहा था।

बंदूक की नोंक पर नकाबपोश ने जेवरात लूटे का किया प्रयास

महिलाकर्मी की सूझबूझ से हुआ नाकाम

मुंबई : मुंबई के माउंट मैरी के पास डकैती की कोशिश की घटना तब घटी जब एक अज्ञात नकाबपोश व्यक्ति आईनॉक्स ज्वेलरी शोरूम में घुस गया और बंदूक की नोक पर हीरे और नकदी की मांग की। शोरूम के अंदर दो महिला कर्मचारी घबरा गईं और उनमें से एक बाहर भाग गई, जिससे आरोपी भी भाग गया, इस डर से कि वह पुलिस को बुला सकती है। बांद्रा पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है और सीसीटीवी फुटेज में कैद अज्ञात बंदूकधारी की तलाश शुरू कर दी है।

लुटेरा शोरूम से भाग गया

2 अगस्त को शाम करीब 7:20 बजे माउंट मैरी रोड पर एक घटना घटी जब रेनकोट पहने चेहरा ढका हुआ एक आदमी आईनॉक्स ज्वेलरी शोरूम में घुस गया। कुछ ही सेकंड में, उसने एक महिला स्टाफ सदस्य से हीरे और नकदी की मांग करते हुए पिस्तौल लहराई। यह दृश्य देख रही एक अन्य महिला स्टाफ सदस्य तेजी से बाहर की ओर भागी, जिससे लुटेरा घबरा गया और बिना किसी को नुकसान पहुंचाए शोरूम से भाग गया।

मुंबई पुलिस एंटी-नारकोटिक्स सेल ने 150 ग्राम मेफेड्रोन की जब्त 5 माहिम निवासी गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई पुलिस एंटी-नारकोटिक्स सेल ने एमडी के नाम से मशहूर 150 ग्राम मेफेड्रोन जब्त किया, जिसकी बाजार में कीमत लगभग 30 लाख रुपये है। एंटी-नारकोटिक्स सेल (एएनसी) की बांद्रा यूनिट को गश्त के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति अवैध पदार्थ ले जाते हुए मिला। पूछताछ के बाद, एक पूरी श्रृंखला स्थापित की गई। एएनसी ने कार्टेल के प्रत्येक सदस्य को गिरफ्तार कर लिया और लगभग 150 ग्राम वजन वाले मेफेड्रोन (एम.डी.) को जब्त कर लिया। मुंबई की क्राइम ब्रांच की बांद्रा यूनिट की एंटी-नारकोटिक सेल ने पांचों आरोपियों के खिलाफ NDPS ACT की धारा 8 (सी) के साथ 22 (सी), 29 के तहत मामला दर्ज किया है.

आरोपियों की पहचान मोहम्मद फारूक सरवैया, मोहम्मद हनीफ सरवैया (58), जाशिम जावेद शेख (19), सालिक सलाम कुरेशी (22) और फरहान सलीम शेख उर्फ फैरी (21) के रूप में हुई। मुंबई पुलिस एंटी-नारकोटिक्स सेल के डीसीपी प्रकाश जाधव ने कहा, ''कल कपड़ा बाजार माहिम के पास गश्त के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को 30 ग्राम एमडी के साथ देखा गया। पूछताछ के दौरान, उसने उस व्यक्ति के बारे में बताया जिससे वह ड्रग्स खरीदता था। उसकी निशानदेही पर, हमने तलाशी ली और 30 ग्राम से अधिक ड्रग्स के साथ एक और आरोपी को पकड़ लिया। इसी तरह, हमने कड़ियां जोड़ीं और कुल 150 ग्राम जब्त मात्रा के साथ कुल 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया। सभी आरोपियों को अदालत में पेश किया गया और पुलिस हिरासत में 7 अगस्त तक भेज दिया गया।''

वसोर्वा बीच पर मिली दो युवकों की लाश, मची सनसनी

मुंबई : हाल ही में आई खबर के मुताबिक, मुंबई के वसोर्वा बीच पर दो युवकों के शव मिले हैं। इससे इलाके में सनसनी मच गई है। बता दें कि युवकों की पहचान उनके पास मिले आधार कार्ड से हुई है। मृतक युवकों की पहचान दीपक बिष्ट (25 वर्ष) और हरदेव सिंह (26 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया गया है कि दोनों युवक हरियाणा के मूल निवासी हैं। वास्तव में इन नवयुवकों की मृत्यु कैसे हुई? इस बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है। वसोर्वा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। वसोर्वा पुलिस ने एडीआर के तहत मामला दर्ज कर लिया है और पूरे मामले की जांच कर रही है।

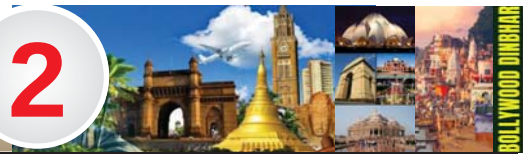

संपादकीय / लेख

गतिरोध की स्थिति

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

संसद में गतिरोध समाप्त कर सामान्य कामकाज बहाल करने के लिए सरकार की एक और कोशिश के प्रति विपक्ष ने जिस तरह एक बार फिर अड़ियल रुख दिखाया और इसके चलते बातचीत की कोशिश विफल ही रही, उससे यही प्रतीत होता है कि विपक्षी दल दोनों सदनों के सुचारु संचालन के प्रति तनिक भी गंभीर नहीं। यह समझना कठिन है कि जब लोकसभा में दिल्ली में सेवा संबंधी अधिकारों से जुड़ा विधेयक चर्चा के बाद पारित हो गया और अविश्वास प्रस्ताव की तारीख भी तय हो गई है तब राज्यसभा में गतिरोध पूरी तरह क्यों नहीं टूट पा रहा है? मौजूदा मानसून सत्र में अब कुछ ही दिन शेष हैं, लेकिन कामकाज के लिहाज से स्थिति निराश करने वाली भी है और यह चिंता नए सिरे से रेखांकित करने वाली भी कि सत्तापक्ष और विपक्ष के गतिरोध ने संसदीय कामकाज के लिए गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। यह उम्मीद धुंधली होना अच्छी स्थिति नहीं है कि इस सत्र के शेष दिनों में दोनों सदनों में तमाम गंभीर विषयों पर सार्थक चर्चा हो सकेगी और पक्ष-विपक्ष के दलों को इन मसलों पर अपनी राय रखने का अवसर मिलेगा। यह अपेक्षा तो तब पूरी होगी जब संसदीय कामकाज के महत्व के प्रति सभी राजनीतिक दल पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता प्रदर्शित करेंगे।

यह हैरान करने वाला है कि एक ओर मणिपुर के घटनाक्रम समेत कई विषयों को बेहद गंभीर भी माना जा रहा है और दूसरी ओर कभी किसी नियम के तहत चर्चा और कभी प्रधानमंत्री के बयान की मांग को लेकर कामकाज भी ठप कर दिया गया। विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए के घटक दल अपने इस रुख के पक्ष में चाहे जैसे तर्क दें, लेकिन आम जनता के बीच यही संदेश गया कि सरकार को घेरने के नाम पर उनका इरादा संसद ठप करने का ही था। कायदे से तो अविश्वास प्रस्ताव को मंजूरी मिल जाने और उस पर बहस का समय तय हो जाने के बाद ही संसद के दोनों सदन सही तरह चलने चाहिए थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पिछले कुछ समय से जिस तरह यह देखने को मिल रहा है कि संसद का प्रत्येक सत्र शुरू होते ही विपक्षी दल किसी न किसी मुद्दे पर दोनों सदन ठप कराने के लिए जुट जाते हैं, उसे देखते हुए यह आवश्यक है कि संसदीय कामकाज की व्यवस्था में कुछ ऐसे परिवर्तन-सुधार किए जाएं जिससे संसद सही मायने में अपनी भूमिका का निर्वाह करने में अधिक सक्षम बन सके। इसके लिए सांसदों की भी जवाबदेही और जिम्मेदारी तय करने के कुछ उपाय किए जाने चाहिए। विपक्षी दलों को संसद में सरकार का विरोध करने का पूरा अधिकार है, लेकिन यह काम लंबे समय तक गतिरोध उत्पन्न कर और पूरे सत्र को बर्बाद कर नहीं किया जा सकता। केवल इतना ही पर्याप्त नहीं कि मौजूदा सत्र में कुछ विधेयक प्रस्तुत और पारित किए जा रहे हैं। अधिक आवश्यक यह है कि आम जनता उन पर गंभीरता के साथ विचार-विमर्श होते हुए भी देखे।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

95 पर्सेंट काम पूरा... 5 साल बाद अब गणेशोत्सव तक खुलेगा डिलाइल रोड ब्रिज

मुंबईः डिलाइल रोड ब्रिज का दूसरा महत्वपूर्ण हिस्सा अब गणपति के आसपास आवागमन के लिए खोला जाएगा। इससे पहले बीएमसी ने इसे 15 जुलाई और फिर 31 जुलाई तक खोलने की योजना बनाई थी। लेकिन बीएमसी ब्रिज को तय समय पर खोलने में नाकाम साबित हुई है। बीएमसी ब्रिज डिपार्टमेंट के एक अधिकारी ने बताया कि हमारी योजना जुलाई में ब्रिज को खोलने की थी। लेकिन भारी बारिश के कारण करीब 20 दिन काम लेट हो गया। ब्रिज के काम में इस्तेमाल होने वाला मैटेरियल समय से नहीं पहुंच पाया। भारी बारिश के कारण सड़कें डूबी थीं, इसलिए भारी वाहनों से स्पॉट तक सामग्री नहीं पहुंच पा रही थी। अधिकारी ने बताया कि इस दौरान मजदूरों का भी संकट था, इसलिए देर हुई। ब्रिज अब अगस्त के आखिर या सितंबर के पहले सप्ताह तक आवागमन के लिए खुलने की उम्मीद है। ब्रिज का लगभग 95 प्रतिशत काम पूरा हो गया है।

15 दिन में फर्निशिंग का काम

बीएमसी अधिकारी ने बताया कि ब्रिज का ज्यादातर काम हो गया है, लेकिन अप्रोच रोड सहित कुछ और काम बाकी है। उसके बाद लाइटिंग, पानी की जाली, फर्निशिंग व अन्य कार्यों में 15 दिन लग सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस ब्रिज के पुनर्निर्माण में सबसे बड़ी चुनौती पश्चिम रेलवे की पटरियों पर 90 मीटर लंबे और 1100 टन वजनी दो गर्डर खड़े करने थे। रेलवे ने 22 जून, 2022 को पहला गर्डर और 24 सितंबर को दूसरा गर्डर लॉन्च किया था।

लोअर परेल ब्रिज का पुनर्निर्माण पश्चिम रेलवे द्वारा रेलवे सीमा के तहत एवं बीएमसी के ब्रिज डिपार्टमेंट द्वारा किया जा रहा है। रेलवे लाइन पर पहले के प्लेट गर्डरों की जगह दो नए ओपन वेब गर्डर लगाए गए हैं। पुल की सुरक्षा के साथ-साथ रेलवे लाइन को पार करने के लिए पैदल चलने वालों की सुरक्षा के लिए खुले वेब गर्डर के बाहरी तरफ एक फुटपाथ का निर्माण किया गया है। बीएमसी इस फुटपाथ को चार सीढ़ियों व दो एस्केलेटर से जोड़ेगी। एनएम जोशी मार्ग पर दो और गणपत राव कदम मार्ग पर एक सड़क को मिलाकर कुल 600 मीटर लंबी 3 सड़कों का निर्माण बीएमसी कर रही है।

हजारों वाहन चालकों को होगा फायदा

करीब 5 साल के इंतजार के बाद डिलाइल रोड ब्रिज का पहला हिस्सा 3 जून, 2023 को खुला था। हालांकि इसके खुलने से यात्रियों को ज्यादा फायदा नहीं मिल रहा है। ब्रिज का दूसरा हिस्सा खुलने के बाद करी रोड, चिंचपोकली, लालबाग, भायखला व एनएम जोशी मार्ग पर रहने वालों को फायदा होगा। ब्रिज के खुलने से डॉ. भीमराव आंबेडकर रोड, करी रोड पूर्व और भायखला से चिंचपोकली होते हुए बड़ी संख्या में वाहन इस ब्रिज का इस्तेमाल कर सकेंगे। यह ब्रिज दादर के साथ लोअर परेल से पश्चिमी उपनगर और पूर्वी उपनगर तक आवागमन में काफी मददगार साबित होगा।

पहला हिस्सा खुलने से नहीं मिला खास फायदा...

डिलाइल रोड ब्रिज का पहला हिस्सा खुलने से मुंबईकरों को ज्यादा फायदा नहीं मिल रहा है। मुंबई में किसी ब्रिज पर या रोड पर एक मिनट में सैकड़ों वाहन गुजरते हैं, लेकिन इस ब्रिज पर 10 मिनट में दो-चार वाहन ही गुजर रहे हैं। इनमें भी ज्यादातर दो पहिया वाहन हैं। लोअर परेल पश्चिम में सेनापति बापट मार्ग जंक्शन आने वाले गणपतराव कदम मार्ग पर उर्मी एस्टेट और पेनिनसुला कॉरपोरेट पार्क से रेलवे लाइन तक ब्रिज खोला गया है।

अड़ियल चेतन की हिमाकत!

लॉकअप में फाड़ा ड्यूटी चार्ट, सिग्नेचर करने में पुलिस को किया परेशान

मुंबई : जयपुर एक्सप्रेस ट्रेन में आरपीएफ जवान चेतन सिंह द्वारा एएसआई सहित चार लोगों की गोली मारकर हत्या के मामले में एक अहम जानकारी सामने आई है. पुलिस सूत्रों के मुताबिक एक टीम आरोपी कांस्टेबल चेतन सिंह द्वारा 31 जुलाई तक की गई उसकी ड्यूटी का चार्ट लेकर बोरीवली लॉकअप में गए थी. आरपीएफ की इस टीम को बोरीवली लॉकअप में बंद चेतन सिंह के ड्यूटी चार्ट पर उसका हस्ताक्षर करवाना था लेकिन उसने हस्ताक्षर करने के बजाय ड्यूटी चार्ट को फाड़कर फेंक दिया.

रेलवे पुलिस सूत्रों के मुताबिक इस दौरान आरोपी चेतन सिंह अपने ड्यूटी चार्ट को काफी देर तक निहारता रहा और आरपीएफ की टीम उससे हस्ताक्षर करने को कहती रही, लेकिन वह उसका कोई रिस्पांस देने के बजाय लगातार निहारता रहा. काफी देर तक ड्यूटी चार्ट को निहारने के बाद आरोपी चेतन सिंह ने हस्ताक्षर करने के बजाय उसे फाड़कर फेंक दिया. इस घटना के बाद आरपीएफ की टीम जीआरपी के पास इसकी जानकारी देने के लिए पहुंची. ऐसे ठिकाने लगाई गई अकड़

जानकारी मिलने के बाद जीआरपी की टीम ने लोकल बोरीवली पुलिस स्टेशन से संपर्क साधा और उनसे सिक्योरिटी (बंदोबस्त) देने का निवेदन किया गया. बोरीवली स्टेशन से बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी लेकर जांच टीम एक बार फिर आरोपी चेतन सिंह का हस्ताक्षर लेने के लिए लॉकअप में पहुंची. पुलिस बंदोबस्त के बीच चेतन सिंह ने अपने ड्यूटी चार्ट पर हस्ताक्षर किया. इस दौरान आरपीएफ की टीम ने आरोपी चेतन सिंह से कुछ सवाल भी किए, लेकिन वह जवाब देने के बजाय एकदम शांत बैठा रहा.

मुंबई में इमारत में 16वीं मंजिल पर स्थित फ्लैट में लगी आग... कोई हताहत नहीं

मुंबई : मुंबई के कांदीवली उपनगर में शुक्रवार को एक 23 मंजिला रिहायशी इमारत के एक फ्लैट में आग लग गई। घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक नगर निकाय अधिकारी ने बताया कि कांदीवली पश्चिम के न्यू लिंक रोड़ के धानुकरवाडी.में ऑर्किड सबर्बिया इमारत में 16वीं मंजिल पर एक फ्लैट में सुबह करीब 10 बजे आग लग गई। एक दमकल कर्मचारी ने बताया कि घटनास्थल पर दमकल की आठ गाड़ियां मौजूद हैं और आग पर नियंत्रण पाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा,''लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। इमारत में किसी के फंसे होने की कोई सूचना नहीं है।''

वसई विरार शहर में मरीजों की भीड़ बढ़ी, जिला अस्पताल फुल

वसई : वसई विरार शहर में मूसलाधार बारिश थम गई है। हालांकि,बारिश हो रही। लेकिन,रुक-रुक कर वह भी मूसलाधार नहीं है।इसी बीच वसई विरार शहर महानगर पालिका के विभिन्न अस्पतालों में मरीजों की लंबी लाइन देखी जा रही है। सोमवार - गुरुवार में वसई विरार शहर महानगर पालिका के विजयनगर अस्पताल में 1200 से अधिक डढऊ में विभिन्न (बुखार,सर्दी खांसी,त्वचा संक्रमण व दमा) मरीज दवा उपचार के लिए आए थे।

अस्पताल में विभिन्न रोगों से ग्रसित मरीज आ रहे हैं। जबकि प्राइवेट अस्पतालों पर भी काफी संख्या में मरीज पहुंच रहे हैं। जिला अस्पताल में पर्ची काउंटर पर गर्मी के मौसम में मरीज व तीमारदार की लंबी लाइन लग रही है। इसमें बच्चे और 50 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की संख्या अधिक है। लोग जुकाम, बुखार, खांसी, मलेरिया, डायरिया, एलर्जी के शिकार हो रहे हैं। लोग जुकाम, बुखार, खांसी, मलेरिया, डायरिया, एलर्जी के शिकार हो रहे हैं।

ठाणे जिले में एक नाबालिग से दुष्कर्म का प्रयास, आरोपी गिरफ्तार

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक व्यक्ति को नाबालिग से कथित दुष्कर्म के प्रयास के लिए गिरफ्तार किया गया है। आरोपी पर पहले से ही दुष्कर्म और अन्य अपराधों से जुड़े मामले दर्ज हैं। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। कोलसेवाडी पुलिस थाने के निरीक्षक दिनकर करदे ने संवाददाताओं को बताया कि आरोपी की पहचान कल्याण (पूर्व) के विशाल गवली के रूप में हुई है, जिसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत बुधवार रात को ही प्राथमिकी दर्ज कर ली गई थी। उन्होंने बताया कि आरोपी को इस घटना के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस निरीक्षक के अनुसार, यह घटना उस वक्त घटी जब नाबालिग लड़की कल्याण इलाके में शाम को ट्यूशन से घर लौट रही थी। उन्होंने बताया कि आरोपी ने कथित तौर पर लड़की का रास्ता रोका और उसे सड़क के किनारे खींच लिया तथा दुष्कर्म का प्रयास किया। अधिकारी ने बताया कि किशोरी ने साहस का परिचय देते हुए शोर मचाया और आरोपी के चंगुल से खुद को छुड़ाकर भाग गई। उन्होंने बताया कि घर पहुंचने के बाद पीड़िता ने अपने माता-पिता को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद कोलसेवाडी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। अधिकारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पहले भी दुष्कर्म, छेड़छाड़ और अन्य अपराधों से जुड़े कई मामले दर्ज हैं। उधर, महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग (एमएससीडब्ल्यू) की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर ने बृहस्पतिवार को ट्वीट कर राज्य के गृहमंत्री से इस मामले में संज्ञान लेने और सख्त कार्रवाई की मांग की।

उन्होंने एक ट्वीट में कहा कि कल्याण में एक मामला सामने आया है, जहां एक अपराधी ने एक स्कूली लड़की के साथ दुष्कर्म करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, ''लड़की खुद को बचाने में कामयाब रही।उन्होंने कहा, ''यह पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी पर दुष्कर्म और पॉक्सो के तहत कई गंभीर मामले दर्ज हैं। ऐसा व्यक्ति अब भी आजाद है, जो स्थानीय पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान खड़ा करता है। चाकणकर ने कहा, ''आयोग की ओर से, हम मांग कर रहे हैं कि राज्य के गृहमंत्री आरोपी के खिलाफ मामले का संज्ञान लें और आवश्यक कार्रवाई करें।उन्होंने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को भी सम्बद्ध किया, जिनके पास गृह विभाग का प्रभार है।

गलत नीतियों के कारण राज्य पर कर्ज के पहाड़ का बोझ बढ़ता जा रहा है - अंबादास दानवे

मुंबई : अंबादास दानवे ने कहा कि सरकार की गलत नीतियों के कारण राज्य पर कर्ज के पहाड़ का बोझ बढ़ता जा रहा है। मौजूदा समय में राज्य पर ७ लाख ७ हजार करोड़ रुपए के कर्ज का पहाड़ है। इस हिसाब से राज्य के प्रत्येक व्यक्ति पर ५६,८७० रुपए का कर्ज है। केंद्र सरकार ने भी महाराष्ट्र के साथ पक्षपात किया है। कर्ज में डूबे महाराष्ट्र को जीडीपी में हिस्सेदारी का आधा फंड ही मिलता है। विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि महाराष्ट्र देश को दिशा देनेवाला राज्य है। लेकिन इस सरकार के कार्यकाल में राज्य अपने रास्ते से भटक गया है। दानवे ने 'अंतिम सप्ताह प्रस्ताव' पर बोलते हुए राज्य में कर्ज के बोझ, बिगड़ती कानून व्यवस्था, बेरोजगारी, राज्य की वित्तीय स्थिति, दंगे, समाज में धार्मिक कलह जैसे मुद्दों पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया। दानवे ने कहा कि सरकार गतिशील होने का दावा करती है, लेकिन यहां आर्थिक व्यवस्था के साथ-साथ कानून व्यवस्था भी गड़बड़ है।

दानवे ने कहा कि रिकॉर्ड के अनुसार, ठाणे और नागपुर में अपराध में भारी वृद्धि हुई है। गृहमंत्री के जिले नागपुर शहर में अपराध दर में ३३२.९१ प्रतिशत और मुख्यमंत्री के गृह जिले ठाणे में १८४.३३ प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मुंबई, ठाणे में सुबह तक डांस बार चल रहे हैं और यह सरकार राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने में पूरी तरह से विफल रही है। राज्य में कानून का कोई डर नहीं है इसलिए दंगे, महिलाओं पर हमले और अत्याचार की घटनाएं बढ़ गई हैं। प्रशासनिक व्यवस्था में इंजीनियरों पर हाथ उठानेवाले सत्ताधारी विधायकों पर सरकार कार्रवाई नहीं करती, बल्कि विपक्षी दल के विधायकों पर कार्रवाई की जाती है। दानवे ने कहा कि यह सरकार दोहरी भूमिका अपनाती है। पूरी तरह से पक्षपाती सरकार है। इस सरकार के दौरान इतिहास में पहली बार वारकरियों की ऐसी पिटाई की गई जैसी ब्रिटिश काल में भी हिंदुस्थानियों की नहीं हुई थी।

ठाणे के जोशी-बेडेकर कॉलेज में एनसीसी छात्रों पर तालिबानी अत्याचार

ठाणे : ठाणे के जोशी-बेडेकर कॉलेज में एनसीसी छात्रों पर तालिबानी अत्याचार किया गया है। जानकारी के अनुसार, जमा हुए बारिश के पानी में इन छात्रों को झुकाया गया और उनके सिर को डूबाकर खड़े रहने की अघोरी सजा दी गई। सबसे चौंकानेवाली बात यह कि इस दौरान एक सीनियर छात्र उनकी पीठ पर डंडे बरसाता भी नजर आया। इस वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होते ही हंगामा मच गया है। जोशी-बेडेकर कॉलेज परिसर में बांदोडकर, बेडेकर व पॉलिटेक्निक इन तीनों विभागों के छात्रों को संयुक्त रूप से एनसीसी

प्रशिक्षण दिया जाता है। इस प्रशिक्षण के दौरान छात्रों को आर्मी और नेवी के लिए प्री-ट्रेनिंग की शिक्षा दी जाती है। इस प्रशिक्षण के दौरान यदि छात्र कोई गलती करते हैं, तो उन्हें सजा भी दी जाती है। लेकिन इस कॉलेज में अमानवीय सजा दिए जाने की जानकारी सामने आई है। कॉलेज में कल भारी बरसात में एनसीसी की ट्रेनिंग शुरू की गई थी। इन छात्रों को जमा हुए बारिश के पानी में झुकाकर खड़ा किया गया और उन्हें अपने मुंह को पानी में डुबोकर खड़े रहने की सजा दी गई। इस बीच यदि कोई छात्र अपना मुंह पानी से बाहर निकालता, तो उसके सीनियर उसे पीछे से लकड़ी के डंडे से बेरहमी से पीटते थे। इससे छात्र तड़पने लगते थे। मारपीट करनेवाले सीनियर छात्रों का कॉलेज में इतना खौफ है कि जूनियर छात्र उनके सामने मुंह तक नहीं खोल रहे हैं। इतना ही नहीं उनके माता-पिता भी शिकायत करने के लिए आगे नहीं आ रहे हैं, लेकिन कॉलेज में एक बुद्धिमान छात्र ने बहादुरी से इस घटना को अपने मोबाइल फोन में शूट किया तब इस तालिबानी अत्याचार का भंडाफोड़ हो सका।

बदल जाएगी पालघर रेलवे स्टेशन की सूरत, पीएम मोदी इस दिन रखेंगे अमृत भारत स्टेशन स्कीम की आधारशिला

पालघर : देश में आम आदमी को रेलवे की रेलवे की बेहतर कनेक्टिविटी और स्टेशनों पर हाइटेक सुविधाओं को देने के लिए रेलवे लगातार प्रयास कर रही है. इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक साथ 500 रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प करने के लिए अमृत भारत स्टेशन स्कीम का शिलान्यास करने जा रहे है. 6 अगस्त को एक कार्यक्रम पीएम मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इन स्टेशनों के विकास के लिए

स्कीम की शुरूआत करेंगे. देशभर के अलग-अलग जोन के 500 स्टेशनों को इस स्कीम के लिए चुना गया है.जिसमे पालघर रेलवे स्टेशन का भी समावेश है । भारतीय रेलवे पर रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए हाल ही में अमृत भारत स्टेशन स्कीम शुरू की गई है. यह योजना स्टेशनों के लंबे समय के विकास की परिकल्पना पर आधारित है. जिसमें स्टेशन तक पैसेंजर्स की पहुंच, सकुर्लेटिंग एरिया, वेटिंग हॉल, शौचालय, आवश्यकतानुसार लिफ्ट/एस्केलेटर, स्वच्छता, मुफ्त वाई-फाई, स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क जैसी सुविधाओं में सुधार के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उन्हें लागू करना शामिल है.

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शनिवार 04 अगस्त 2023

लॉकर में चोरी बैंक का अधिकारी गिरफ्तार

मुंबई : मालाबार हिल पुलिस ने बैंक के लॉकर में रखे आभूषण चुराने के आरोप में बैंक के अधिकारी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अधिकारी ने दो लॉकर से चोरी की थी जिसके बाद उसके खिलाफ दो एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मृणालिनी जयसिंघानी (27) जो नेपियन सी रोड में रहती हैं, उनका बैंक ऑफ इंडिया की वॉलकेश्वर शाखा में लॉकर है। जयसिंघानी ने पुलिस को अपनी शिकायत में बताया कि उनके लॉकर में 323 ग्राम सोने और हीरे के गहने रखे थे, जो लॉकर से चोरी हो गए। चोरी हुए इन आभूषणों की कीमत 32.5 लाख रुपये है। पुलिस इसकी जांच कर ही रही थी कि दीपक नाथवानी (66) नाम के शख्स ने भी पुलिस से शिकायत की कि उनके बैंक ऑफ इंडिया के लॉकर में रखे 323 ग्राम सोने के आभूषण चोरी हो गए हैं।

डीसीपी मोहित कुमार गर्ग ने बताया कि इन दोनों मामलों की जांच मालाबार हिल पुलिस स्टेशन की डिटेक्शन टीम को दी गई थी। पुलिस ने अपनी जांच शुरू की और बैंक के हर कर्मचारी से पूछताछ की। जांच में पुलिस ने पाया कि लॉकर के संरक्षक अधिकारी दिलीपकुमार चव्हाण अपराध में शामिल थे। पुलिस ने जब बैंक के सभी सीसीटीवी फुटेज चेक किए तो पता चला कि चोरी में चव्हाण शामिल था। पुलिस ने चव्हाण के पास से 481 ग्राम सोने के आभूषण जब्त किये हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बैंक में स्थित सभी लॉकरों के कामकाज की देखभाल करना चव्हाण का काम था।

सड़कों के रख-रखाव और मरम्मत की जिम्मेदारी मुंबई मनपा को सौंप देनी चाहिए

मुंबई : आरे के ४५ किलोमीटर के अंदर की सड़कों की जर्जर हालत से स्थानीय निवासियों को काफी परेशानी हो रही है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के विधायक रवींद्र वायकर ने कल विधानसभा में स्पष्ट भूमिका रखते हुए कहा कि नागरिकों को परेशानी से मुक्त करने के लिए सड़कों के रख-रखाव और मरम्मत की जिम्मेदारी मुंबई मनपा को सौंप देनी चाहिए। इस संदर्भ में अधिवेशन समाप्त होने के तत्काल बाद महापालिका आयुक्त के साथ बैठक की जाएगी, ऐसा आश्वासन राज्य सरकार ने दिया।

आरे की मुख्य सड़क दिनकर देसाई मार्ग को मुंबई मनपा को सौंप दिया गया है। इसी तरह यदि आंतरिक सड़कों को मनपा को सौंप दिया जाए तो उनका उचित रख-रखाव किया जा सकता है। विधायक वायकर ने विधानसभा में आधे घंटे की चर्चा के दौरान यह सुझाव दिया। आरे के समग्र विकास के लिए सरकार द्वारा नियुक्त समिति में विधायक वायकर भी शामिल होंगे, ऐसा सरकार ने स्पष्ट किया। आरे कॉलोनी जोगेश्वरी विधानसभा क्षेत्र में आती है। आरे कॉलोनी में २७ आदिवासी पाड़ा हैं। इन पाड़ों को जोड़ने वाली सड़कों की हालत बेहद दयनीय है।

पिछले कई सालों से इन सड़कों के रख-रखाव और मरम्मत के लिए फंड उपलब्ध कराने की मांग विधायक वायकर कर रहे हैं। चूंकि पशु एवं डेयरी विभाग के पास इसके लिए पर्याप्त फंड नहीं है, इसलिए यहां की सड़कें और भी खराब होती जा रही हैं। आरे में भारी बारिश के कारण डामर वाली सड़कें टिकाऊ नहीं हैं। आरे में सीमेंट कंक्रीट की आंतरिक सड़कों के लिए लोक निर्माण विभाग से १७३ करोड़ रुपए और डामरीकरण के लिए ४८ करोड़ रुपए की जरूरत है। इतनी ही रकम का प्रस्ताव लोक निर्माण विभाग द्वारा राज्य सरकार को भेजा गया था। वायकर ने सदन को बताया कि पशु और डेयरी विकास विभाग के ४८ करोड़ रुपए के फंड की मांग में से पूरक मांगों में केवल ५ करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इस मौके पर वायकर ने यह भी कहा कि आरे में जहां स्ट्रीट लाइटें नहीं हैं, वहां स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएं। आरे के अस्पताल को मनपा को सौंप दिया जाए। आरे में अवैध निर्माण को ध्वस्त किया जाए, क्योंकि आरे में तेंदुए के हमले की घटनाएं लगातार हो रही हैं।

महानगरपालिका द्वारा तीन दिवसीय फुटबॉल टूनार्मेंट का आयोजन...

वसई : वसई विरार शहर महानगरपालिका, खेल और युवा निदेशालय महाराष्ट्र राज्य और जिला खेल परिषद कार्यालय पालघर द्वारा 'सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल टूनार्मेंट' 2023 का आयोजन किया गया।टूनार्मेंट का उद्घाटन आयुक्त व प्रशासक अनिल कुमार पवार के हाथों गुरुवार 3 अगस्त को ओल्ड विवा कॉलेज ग्राउंड,विरार पश्चिम में किया गया। उक्त फुटबॉल टूनार्मेंट 3 अगस्त से 6 अगस्त तक खेला जाएगा और इस टूनार्मेंट में लगभग 52 स्कूलों की 95 टीमों ने भाग लिया है। इस अवसर पर महानगरपालिका अतिरिक्त आयुक्त रमेश मनाले, पूर्व सभापति सखाराम महाडिक, यज्ञेश्वर पाटील, पूर्व महिला व बालकल्याण सभापति माया चौधरी व अन्य पूर्व नगरसेवक व नगरसेविका तथा उप-आयुक्त पंकज पाटील, अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं कर्मचारी आदि उपस्थित थे।

बंगाली बातचीत में पकड़ाया बांग्लादेशी

मुखबिर से बांग्लादेशी की पुलिस को मिली थी जानकारी

मुंबई : बांग्लादेशी को पकड़ने के लिए मुंबई पुलिस ने बंगाली भाषा का इस्तेमाल किया है। शिकायत के मुताबिक आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस ने बंगाली भाषा जाननेवाले को अपने साथ लिया। जिसके बाद बंगाली भाषा में बात कर पुलिस को उंसके बांग्लादेशी होने के बारे में पता चला। जिसके बाद उसे अग्रिपाड़ा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ करने पर पता चला कि गरीबी के कारण वह अपना घर नहीं चला पा रहा था। इसलिए अवैध तरीके से उसने सीमा पार की और फिर उसे पकड़ लिया गया।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक पुलिस को मुखबिर से पता चला था कि खटाव मिल इलाके में बांग्लादेशी अवैध तरीके से राह रहा है। जिसके बाद पुलिस ने एक टीम तैयार की जिसमे एक बंगाली भाषा बोलनेवाला शख्स भी शामिल था। जिसका इस्तेमाल बंगलादेशी को पकड़ने के लिए किया जाना था। जैसे ही उसको पुलिस ने देखा तब उसके पास पहुंच गई। बंगाली भाषा बोलनेवाले शख्स ने उससे बात किया। तभी पुलिस को पता चल गया कि वह बंगलादेशी है। इसके बाद जसे पकड़ कर पुलिस थाने ले जाया गया। जहां उससे अधिक पूछताछ की गई।

पेट भरने का पैसे न होने के कारण आया था मुंबई

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक शेख नगरकंदा, फरीदपुर बांग्लादेश के रहनेवाला बताया है। उंसके परिवार के बारे में पूछताछ करने पर उसने बताया कि उसके भाई, मां, और बच्चे सभी बांग्लादेश में ही हैं। वहां पर गरीबी के चलते घरवाले भूखे रहते थे। इसलिए उसने भारत बांग्लादेश बॉर्डर से, सुरक्षा एजेंसियों से छिपकर भारत में प्रवेश किया। वह शिवड़ी इलाके में आकर रहता था और वहीं मजदूरी का काम कर रहा था। मामले में एफआईआर दर्ज कर अधिक जांच पुलिस द्वारा की जा रही है।

बंगाली भाषा से पकड़ाया बंगलादेशी

पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए अपने साथ एक बंगाली भाषा बोलनेवाले शख्स को रखा था। जिसने आरोपी के आटे ही बंगाली भाषा में आरोपी युवक माणिक अब्दुल शेख (28) से बात किया और यह जानने की कोशिश की कि उसको कौनसी भाषा आती। इसपर उसने बंगाली और हिंदी की जानकारी दी। जिसके बाद युवक से पुलिसकर्मियों ने हिंदी में बात की और फिर उसके भारतीय होने का पहचान पत्र मांगा। लेकिन वह नहीं दे पाया। इसके बाद उसने पुलिस को बताया कि वह बांग्लादेशी है।

आंख आने की लहर, एक लाख से भी अधिक आई फ्लू के मरीज मिले

मुंबई : महाराष्ट्र आई फ्लू की चपेट में आ चुका है। राज्य में इस समय एक लाख से भी अधिक आई फ्लू के मरीज मिले हैं। दूसरी तरफ इस बीमारी की आई बाढ़ से स्वास्थ्य विभाग की नींद फुर्र यानी उड़ गई है। विभाग बीमारी को नियंत्रित करने के लिए तमाम तरह के उपाय कर रहा है। साथ ही विभाग जनता से यह भी अपील कर रहा है कि वे आंखों को लेकर सभी जरूरी सावधानियां बरतें, ताकि आंख आने की लहर को रोका जा सके।

उल्लेखनीय है कि बरसात के मौसम में नमी काफी हद तक बढ़ जाती है। इससे वायरस को पनपने का भरपूर मौका मिलता है। नमी के कारण संक्रमण लंबे समय तक शरीर में रहता है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, महाराष्ट्र में इस समय वायरस के कारण आंखों के मरीज काफी तेजी से बढ़ रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक, ३१ जुलाई तक महाराष्ट्र में करीब एक लाख मरीज आंख आने की बीमारी 'आई फ्लू' से पीड़ित हैं।

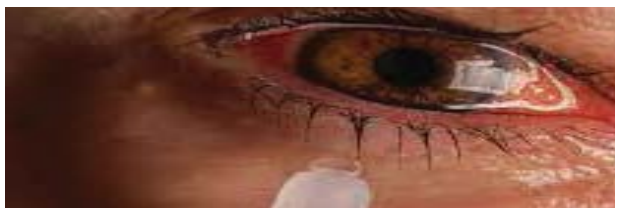

डॉ. सुभांगी अंबाडेकर के अनुसार, यदि आंखों का संक्रमण संस्थागत स्थानों जैसे स्कूल, छात्रावास, अनाथालय आदि में होता है तो प्रभावित बच्चे या व्यक्ति को अलग-थलग रखा जाना चाहिए। आंखों का संक्रमण एक संक्रामक रोग है। इसलिए यह एक से दूसरे में तेजी से पैष्ठलता है। इससे बचने के लिए नियमित रूप से हाथ धोना जरूरी है। आंख आने के बाद स्टेरॉयड आई ड्रॉप से बचना चाहिए। मरीजों को इलाज के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या मनपा के अस्पताल में जाना चाहिए। मुंबई समेत पूरे महाराष्ट्र में बारिश के चलते मौसमी बीमारियों ने लोगों को डराना शुरू कर दिया है। शहर में सबसे तेजी से डेंगू, मलेरिया और गैस्ट्रो की बीमारियों ने आतंक मचा रखा है। इन सबके बीच दिल्ली से एक डराने वाली खबर सामने आ रही है। बताया गया है कि दिल्ली में राजधानी दिल्ली में डेंगू वायरस का खतरनाक स्ट्रेन पैष्ठल रहा है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, डेंगू वायरस के चार प्रकार डेन-१, डेन-२, डेन-३ और डेन-४ हैं। इसमें से डेन-२ सबसे खतरनाक है। इसमें यदि बुखार के कारण रक्तस्राव हो तो मरीज की हालत गंभीर हो सकती है। यह स्थिति शरीर में प्लेटलेट्स की संख्या कम कर देती है, जिससे शरीर के अंदर और बाहर रक्तस्राव का खतरा बढ़ जाता है। इसके साथ ही पेट दर्द की समस्या भी बढ़ जाती है और नाक, मसूड़ों, उल्टी, मल से खून आने लगता है।

बच्चे के सिर पर गिरा पत्थर, स्कूल का चल रहा था काम

मुंबई : अंधेरी पुलिस ने एक स्कूल प्रशासन और कॉन्ट्रेक्टर के खिलाफ मानव जीवन को खतरे से संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक शिकायतकर्ता अपने बेटे के साथ लिटिल फ्लावर स्कूल के फुटपाथ से जा रहे थे। तभी अचानक बेटे के सिर पर एक पत्थर गिरा। जिससे उसके सिर से खून निकलने लगा। बेटे को बगल के अस्पताल में ले जाया गया। जहां प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें बड़े अस्पताल में ले जाने की सलाह दी गई। जिसके बाद वे हॉली स्पिरिट अस्पताल गए। जहां बच्चे के सिर में टाके लगे और फिर वे अंधेरी पुलिस थाने में आये और मामले में एफआईआर दर्ज करवाया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक शिकायतकर्ता महाराष्ट्र कामगार मंडल में अधिकारी है। शाम करीब पांच से साढ़े पांच के लगभग वे अपने बेटे अथर्व के साथ लिटिल फ्लावर स्कूल से लगी हुई सड़क से जा रहे थे। स्कूल में कुछ काम चल रहा है, यहां से जाते वक्त अथर्व के सिर पर एक पत्थर गिर गया। जिससे उसके सिर से खून निकलने लगा। पहले बच्चे को पास के नर्सिंग होम में ले जाया गया। उसके बाद उसे होली स्पिरिट हॉस्पिटल महाकाली में ले जाया गया। जहां उसका इलाज करवाया गया। जानकारी के मुताबिक बच्चे के सिर में चोट लगने की वजह से डॉक्टरों ने राम करने की सलाह दी थी। इस वजह से वे घर चले गए और दूसरे दिन पुलिस थाने आकर स्कूल प्रशासन और कॉन्ट्रेक्टर के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाया।

सीआरजेड-2 में बनी झोपड़ियों के पुनर्वास की रिपोर्ट दो माह में

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सदन में दी जानकारी

आशीष शेलार ने रखी थी लक्ष्यभेदी सूचना

मुंबई : मुंबई तटीय नियंत्रण क्षेत्र (सीआरजेड) 2 में भीतर आने वाले 25 हजार झोपड़ियों का पुनर्वास करने से पर्यावरण का क्या असर होगा? इसे बारे में रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश मुंबई महापालिका और झोपड़पट्टी पुनवर्सन प्राधिकरण (एसआरए) को दिए गए हैं। यह रिपोर्ट दो महीने में सौंपने को कहा गया है। रिपोर्ट आने के बाद इसे केंद्र सरकार के पर्यावरण विभाग को सौंपा जाएगा। विधानसभा में इस बात की जानकारी मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दी। उन्होंने विश्वास जताया कि इन झोपड़ियों के पुनर्वास से खुली जगह बनेगी और पर्यावरण संतुलित होगा। भाजपा के आशीष शेलार ने गुरुवार को मुंबई के समुद्री किनारे और सीआरजेड 2 में आने वाली 25 हजार झोपड़ियों के पुनर्विकास को लेकर लक्ष्यभेदी सूचना रखी थी। चर्चा के दौरान पूछे गए सवालों के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि सीआरजेड-2 में आने वाली झोपड़पट्टियों के पुनर्विकास को लेकर केंद्रीय पर्यावरण मंत्री से सकारात्मक चर्चा हुई है। केंद्र ने झोपड़पट्टियों के पुनर्वास को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। हालांकि केंद्र ने पर्यावरणीय खर्च और फायदा विश्लेषण की रिपोर्ट मांगी है। यह रिपोर्ट तत्काल तैयार करने के निर्देश मुंबई महापालिका और एसआरए को दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि रेलवे ट्रैक से लगी झोपड़ियों के विकास करने के लिए केंद्र सरकार से बातचीत की जाएगी।

शिंदे ने कहा कि शहर में अवैध झुग्गियों को पनपने से रोकना संबंधित स्थानीय सरकारी निकाय की जिम्मेदारी है। सरकार ने वर्ष 2011 तक की झोपड़ियों को संरक्षण दिया है। उन्होंने कहा कि जहां भी अवैध झोपड़ियां बनेगी, वहां के संबंधित अधिकारी को जवाबदार ठहराकर उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

इससे पहले आशीष शेलार ने झोपड़ियों के पुनर्विकास में कानूनी कठिनाइयों का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा कि मुंबई की झोपड़पट्टियों में से तकरीबन 25 हजार झोपड़ियां सीआरजेड-2 में आती है। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की 6 जनवरी 2011 की सीआरजेड अधिसूचना के अनुसार इन झोपड़ियों के पुनर्विकास को लेकर शर्त लगाई गई है। इसके मुताबिक पुनर्विकास की स्थिति में 51 फीसदी हिस्सा सरकार को देना तय किया गया है, इसलिए इन झुग्गी बस्तियों का पुनर्विकास रुक गया है।

आयुष्मान कार्ड बनाने के नाम पर निकाल लिए पैसे

बांद्रा पुलिस ने दर्ज की एफआईआर...

मुंबई : बांद्रा में रहनेवाले एक सीनियर सिटीजन को आयुष्मान भारत कार्ड रजिस्ट्रेशन करने के नाम पर धोखाधड़ी किये जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी से संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक शिकायतकर्ता को आयुष्मान भारत हेल्थ कार्ड बनवाना था। इसलिए उन्होंने गूगल पर आयुष्मान कस्टमर केअर नंबर सर्च किया। जिसमें उन्हें 8249748371 नंबर मिला। इसिपर उन्होंने फोन किया, तब उन्हें अपना नाम मिश्रा बताते हुए एक शख्स ने फोन किया। फोन करनेवाले ने खुद को आयुष्मान कस्टमर केअर में काम करनेवाला कर्मचारी बताया। इसके बाद आयुष्मान भारत कार्ड के लिए प्रोसेस करने हेतु, एक एप्लिकेशन डाउनलोड करने कहा। जिसका नंबर आरोपी ने उसे देने के लिए कहा। बस इसके बाद मोबाइल का कंट्रोल उंसके पास चला गया और अकाउंट से पैसे गायब हो गए।

हेल्थ कार्ड बनवाने के लिए गूगल पर किया सर्च

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक हेल्थ कार्ड बनवाने केलिए शिकायतकर्ता ने पहले गूगल पर आयुष्मान कस्टमर केअर सर्च किया। जिसमें उन्हें एक नंबर प्राप्त हुआ। उस नंबर पर फोन करने पर सामने से बात कर रहे व्यक्ति ने आपना नाम मिश्रा बताया और कार्ड बनाने के लिए उनके मोबाइल में एनिडेस्क एप्लिकेशन डाउनलोड करने के लिए कहा। जिंसके बाद एप्लिकेशन में आनेवाला कोड मंगाकर मोबाइल का एक्सेस अपने पास ले लिया और एक के बाद एक ट्रांजिक्शन कर अकाउंट खाली कर दिया।

ट्रांजिक्शन फेल का मैसेज आने पर हुआ खुलासा

शिकायतकर्ता पेशे से रियाल स्टेट का व्यवसाय करते हैं। कोड लेने के बाद आरोपी ने शिकायतकर्ता से उनका पूरा नाम, आधार कार्ड और जन्म तारीख पूछा जिसकी जानकारी उन्होंने शिकायतकर्ता को दी। इस बीच उनके मोबाइल पर यूनियन बैंक से 90 हजार रुपये का ट्रांजिक्शन फेल होने का मैसेज आया। इसकी पूछताछ करने के लिए जब वे यूनियन बैंक में गए तब उन्होंने देखा कि उन्हें डीसीबी बैंक से पांच हजार तीन बार, यूनियन बैंक से 50 हजार और एचडीएफसी बैंक से पांच हजार रुपये कटने का मैसेज आया। इसके बाद उन्हें पता चल गया कि आयुष्मान कार्ड बनाने वाले ने ही यह धोखाधड़ी की है। उस नंबर पर जब वे फोन लगाने लगे तब वह बंद आ रहा था।

उम्र छिपाकर नौकरी करने विदेश जा रहा शख्स गिरफ्तार

जन्म तारीख और चेहरा द्वख पहचाना पासपोर्ट...

मुंबई : ज्यादा उम्र की वजह से नौकरी के लिए विदेश में जाने का मौका न मिलने के कारण एक व्यक्ति ने फर्जी पासपोर्ट बनाकर अपना जन्म तारीख ही बदलवा दिया। मामले में सहार पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी करने और पासपोर्ट अधिनियम 1967 के तहत एफआईआर दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक आरोपी बेगूसराय, बिहार का रहने वाला है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक सहार पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए व्यक्ति का नाम मोहम्मद आकिब मोहम्मद अख्तर हुसैन (49) है। जानकारी के मुताबिक विदेशों में नौकरी करने के लिए 50 साल से अधिक उम्र वालों को नहीं जाने दिया जाता है। इसीलिए आरोपी ने एक नया पासपोर्ट बनवा कर उसमें अपनी जन्म तारीख बदलवाली थी। जिससे उसकी उम्र कम हो जाए और आसानी से वह विदेश में नौकरी कर सके। लेकिन जैसे ही अधिकारियों के समक्ष उसने अपना पासपोर्ट और वीजा रखा, एयरपोर्ट पर मौजूद अधिकारियों ने उसे उसके उम्र से पकड़ लिया। उससे पूछताछ की तब पता चला कि उसने विदेश में नौकरी पाने के लिए उम्र में हेरफेर कर दूसरा पासपोर्ट बनवाया था। जिस पर उसने कांगो जाने का वीजा प्राप्त किया था।

आधार कार्ड के जन्म तारीख से बनवाया पासपोर्ट...

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी ने अपना जन्म तारीख बदलवाने के लिए आधार कार्ड पर लिखे गए जन्म तारीख में हेरफेर की और फिर उसे बिहार में पासपोर्ट कार्यालय के समक्ष पेश किया। जिसके आधार पर उसने एक फर्जी पासपोर्ट बनवाया, जिसमें गलत जन्म तारीख लिखी हुई थी। उसी पासपोर्ट के आधार पर वह विदेश जाकर नौकरी करना चाहता था। लेकिन इससे पहले की वह विदेश पहुंचता, भारत में ही उसे सचेत अधिकारियों ने पकड़ लिया।

पहले असली पासपोर्ट पर गया था विदेश

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी मोहम्मद आकिब हुसैन, इससे पहले 2009 में अपना असली पासपोर्ट बनवाया था। जिससे वह कांगो में नौकरी करने गया था। 2019 में उसने अपने पासपोर्ट को रिन्यू करवाया। लेकिन अब उसे एक बार फिर विदेश में नौकरी करने जाना था। उसकी उम्र 49 वर्ष हो गई थी 50 से अधिक उम्र वालों को विदेश में नौकरी करने नहीं दिया जाता है। इसीलिए आरोपी ने बिहार में आधार कार्ड में अपने जन्म तारीख में हेरफेर कर बिहार से नया पासपोर्ट बनवाया था। जिसका खुलासा जांच में हुआ है। फिलहाल पूरे मामले की जांच सहार पुलिस द्वारा की जा रही है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शनिवार 04 अगस्त 2023

खाई में गिरने से पहले ही लग जाएंगे कार के ब्रेक !

● नितिन गडकरी ने सुझाया पहाड़ों में एक्सीडेंट रोकने का नया फॉर्मूला ● राज्यसभा में सवाल के जवाब में एक तकनीक का किया जिक्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने आज राज्यसभा में हाईवे पर ट्रकों और गाड़ियों को दुर्घटना से बचाने के लिए एक नई टेक्नॉलजी का जिक्र किया। दरअसल, राज्यसभा में नॉमिनेटेड सदस्य गुलाम अली के सवाल के जवाब में केंद्रीय मंत्री ने बताया कि सरकार दुर्गम इलाकों में इस नई तकनीक के इस्तेमाल करने पर विचार कर रही है। नॉमिनेडेट सदस्य अली ने सवाल पूछा कि कश्मीर में मौजूदा सरकार काम तो बहुत करा रही है लेकिन हाईवे पर ट्रक दुर्घटनाएं बहुत ज्यादा हो रही हैं। उन्होंने कहा कि एक्सीडेंट क्रैश बैरियर तो होता है लेकिन इनता बड़ा ट्रक होता है कि एकबार अगर वो फिसलकर नीचे गिरा तो फिर आसपास हाइड्रो प्रोजेक्ट की वजह से न तो ट्रक मिलता है न डेड बॉडी। उन्होंने कहा कि मैं मंत्री

से आग्रह करूंगा कि डोड्डा से किश्तवाड़ और ऊधमपुर से श्रीनगर की तरफ नेशनल हाइवे पर एक्सीडेंट क्रैश बैरियर लगवा दें तो हादसे थोड़े कम किए जा सकते हैं। सवाल के जवाब में नितिन गडकरी ने कहा कि ये भी सच है कि पहाड़ी इलाकों में एक्सीडेंट होते हैं। पहले क्रैश बैरियर लोहे के लगते थे। अब एक नई तकनीक आ गई है। इस तकनीक में कंक्रीट में प्लास्टिक का एक गोल उपकरण लगा रहता है। इसमें ट्रक कितनी भी जोर से टक्कर मारे पर वो नीचे की तरफ नहीं गिरता है, बल्कि गिरने की बजाए पीछे की तरफ आ जाता है। उन्होंने बताया कि इस उपकरण की कीमत थोड़ी ज्यादा होती है।

कूनो में अब एक और चीते ने तोड़ दिया दम

मादा चीता धात्री की गई जान, अब तक 9 की मौत

श्योपुर (एजेंसी)। केंद्र सरकार के प्रोजेक्ट चीता को एक और झटका लगा है। कूनो नेशनल पार्क में एक मादा चीते की मौत हो गई है। 26 मार्च से अब तक 3 शावकों सहित 9 चीतों की मौत हो चुकी है। इन चीतों को दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया से कूनो नेशनल पार्क में लाया गया था। चीतों की मौत के चलते पर्यावरण मंत्रालय और राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण को आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने भी इस पर चिंता जाहिर की थी। मादा चीता की मौत की पुष्टि कूनो के एक अधिकारी ने की है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से कहा था कि आपसी राजनीति से ऊपर उठकर चीतों को राजस्थान में शिफ्ट करने पर सोचना चाहिए। राजस्थान में विपक्षी दल कांग्रेस की सरकार है, सिर्फ ये सोचकर आप इसको नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं। आप वहां कोई अच्छी जगह क्यों नहीं ढूंढ़ते हैं। देश की सर्वोच्च अदालत ने तब कहा था कि नामीबिया और अफ्रीका से लाए गए लगभग 40 प्रतिशत चीते अब तक दम तोड़ चुके हैं। इन्हें भारत में आए अब तक पूरा एक साल नहीं हुआ, इस तरह चीतों की मौत चिंता की बात है।

दिल्ली में चाइनीज मांझे के इस्तेमाल पर 5 साल की जेल

एक लाख जुर्माना, रक्षाबंधन और 15 अगस्त को देखते हुए फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने चाइनीज मांझे के इस्तेमाल पर रोक लगाने का आदेश दिया है। इसके लिए सभी सभी संबंधित विभागों को सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। उधर पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने लोगों से चाइनीज मांझे का इस्तेमाल न करने की अपील की। मंत्री ने कहा कि अगर कोई इसका उपयोग करता या बेचता पाया गया तो उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली में चाइनीज मांझा 2017 से बैन है। इसके बावजूद कोई इस्तेमाल करता हुआ या मांझा बनाता हुआ पकड़ा गया तो उसे पांच साल की सजा और एक लाख का जुर्माना लगाया जाता है। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए मंत्री गोपाल राय ने कहा, 15 अगस्त के आसपास दिल्ली वासियों के बीच पतंगबाजी अधिक लोकप्रिय हो जाती है। लेकिन पतंगबाजी के इस खेल के बीच हर साल चीनी मांझे से होने वाली दुर्घटनाओं की खबरें भी सामने आती हैं। 10 जनवरी, 2017 से राजधानी दिल्ली में चीनी मांझे के उपयोग और बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसके बावजूद, कुछ पतंगबाज हर साल 15 अगस्त को इसका इस्तेमाल करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप बहुत सारे जानवर और पक्षी मांझे में फंस जाते हैं। इसके अलावा, यह सड़क पार करने वालों के लिए खतरा पैदा करता है।

लोकसभा में लगातार हंगामे से ओम बिड़ला हो गए नाराज

स्पीकर की कुर्सी पर नहीं बैठे, कहा–विपक्ष का बर्ताव ठीक नहीं

मणिपुर मामले पर राष्ट्रपति से मिले 'इंडिया' गठबंधन के सदस्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र का बुधवार को 10वां दिन था। आज लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला अपनी कुर्सी पर नहीं बैठे। वे लोकसभा में विपक्षी सांसदों के लगातार हंगामे से नाराज थे, इसलिए उन्होंने

सदन आने से इनकार कर दिया। उनकी जगह आंध्र प्रदेश के राजमपेट से सांसद पीवी मिथुन रेड्डी ने लोकसभा की कार्यवाही संभाली। जानकारी के मुताबिक, ओम बिड़ला तब तक संसद नहीं आएंगे जब तक विपक्ष हंगामा करना बंद नहीं करता। राज्यसभा में विपक्षी दलों ने मणिपुर हिंसा पर चर्चा की मांग करते हुए 60 नोटिस दिए, जिन्हें सभापति जगदीप धनखड़ ने अस्वीकार कर दिया। इससे नाराज विपक्ष ने राज्यसभा से वॉकआउट कर दिया। इसके बाद इंडिया के सदस्य राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने पहुंचे। राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा-हम चाहते हैं कि पीएम मणिपुर का दौरा करें और वहां शांति बहाली के लिए कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि हम सिर्फ मणिपुर मुद्दे पर चर्चा चाहते हैं, जिससे पीएम बच रहे हैं। हमने अपनी मांगों को लेकर राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा है। खड़गे ने कहा कि हमने राष्ट्रपति से अपील की है कि वे अलग-अलग समुदाय से दो मणिपुरी महिलाओं को राज्यसभा के लिए नामांकित करें, ताकि राज्य में महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों को रोकने की दिशा में सही कदम उठाए जा सकें। राष्ट्रपति से मिलने के बाद इंडिया के सदस्यों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें मल्लिकार्जुन खड़गे ने बताया कि वे चाहते हैं कि पीएम मणिपुर का दौरा करें।

केपी सिंह ने डीएलएफ में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेची

▶▶ उनके ससुर ने की थी इस कंपनी की शुरुआत

▶▶ 1975 में केपी ने संभाली थी कंपनी की बागडोर

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी लिस्टेड रियल एस्टेट कंपनी डीएलएफ के एमेरिटस चेयरमैन कुशलपाल सिंह यानी केपी सिंह एक बार फिर सुर्खियों में हैं। उन्होंने कंपनी ने अपनी पूरी हिस्सेदारी बेच दी है। जून तिमाही के आंकड़ों के मुताबिक 93 साल के सिंह की कंपनी में 0.59 फीसदी हिस्सेदारी थी। इसे उन्होंने 504.21 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से 731 करोड़ रुपये में बेच दिया है। डीएलएफ की स्थापना केपी सिंह के ससुर ने की थी लेकिन इसे बुलंदियों पर पहुंचाने का श्रेय सिंह को ही जाता है। वह करीब 50 साल तक इस कंपनी के सर्वेसर्वा रहे। आज यह देश की सबसे बड़ी लिस्टेड रियल एस्टेट कंपनी है। अब उनके बेटे राजीव सिंह इसकी कमान संभाल रहे हैं। सिंह ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उनकी शुरुआती पढ़ाई बुलंदशहर में एक मदरसे में की थी। इसके बाद उन्होंने इंग्लैंड से एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की और इंडियन आर्मी में शामिल हो गए। साल 1961 में उन्होंने सेना की नौकरी छोड़कर मोटर और बैटरी बनाने के बिजनस में कदम रखा।

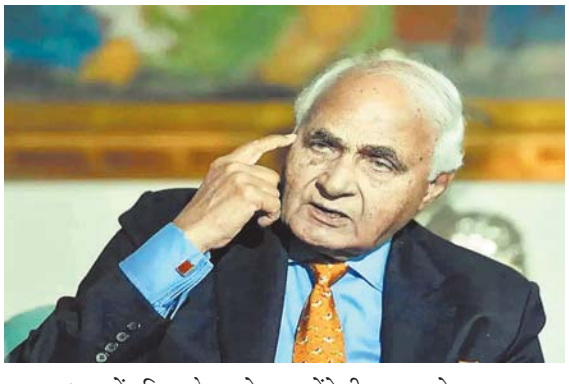

साल 1975 में परिवार के कहने पर उन्होंने डीएलएफ को रिवाइव करने का बीड़ा उठाया। इसकी स्थापना उसके ससुर चौधरी राघवेंदर सिंह ने 1946 में की थी। इस कंपनी ने बंटवारे के बाद पाकिस्तान से भारत आए लोगों के लिए दिल्ली में 21 कॉलोनीज बनाई थी। लेकिन 1975 में यह बंद होने के कगार पर पहुंच गई थी।

डीएलएफ को बुलंदियों पर पहुंचाया

केपी सिंह के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि लोगों से जमीन कैसे खरीदी जाए क्योंकि उनके पास इसके लिए पैसे नहीं थे। वह लोगों का भरोसा जीतने में कामयाब रहे और उन्होंने डीएलएफ को बुलंदियों पर पहुंचा दिया। उनका कहना है कि इस काम में उन्हें सरकार की तरफ से कोई मदद नहीं मिली। उन्होंने डीएलएफ को दिल्ली की सीमा से बाहर निकाला। गुरुग्राम में कंपनी ने कई प्रोजेक्ट्स बनाए हैं। साल 2020 में केपी सिंह ने डीएलएफ के चेयरमैन की कुर्सी छोड़ दी। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक केपी सिंह की नेटवर्थ 11.2 अरब डॉलर है। वह दुनिया के अरबपतियों की लिस्ट में 184वें और भारतीय अमीरों में 14वें नंबर पर हैं। इसके साथ ही वह देश के सबसे अमीर रियल एस्टेट कारोबारी हैं।

हाल में केपी सिंह उस समय चर्चा में आए थे जब उन्होंने अपनी निजी जिंदगी के बारे में एक बड़ा खुलासा किया था। उन्होंने बताया कि उन्हें एक नई पार्टनर मिल गई है। उन्होंने कहा कि मैं बहुत खुशकिस्मत वाला हूं कि मुझे इस उम्र में एक नई पार्टनर मिल गई है। उसका नाम शीना है। वो मेरी जिंदगी के सबसे अच्छे लोगों में से एक है। वो मुझे प्रेरित करती है। हर कदम पर मेरा साथ देती है। केपी सिंह ने कहा कि शीना अब मेरी जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुकी है। केपी सिंह की पत्नी की साल 2018 में कैंसर से मौत हो गई थी।

सोने-चांदी की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू वायदा बाजार यानी एमसीएक्स पर सोने और चांदी की कीमतों में तेजी है। एमसीएक्स पर सोने का भाव हल्की तेजी के साथ 58950 रुपए के पार पहुंच गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी मजबूती है। एमसीएक्स पर चांदी 300 रुपए महंगी होकर 74248 रुपए प्रति किलोग्राम के पास पहुंच गई है। ग्लोबल बाजार में भी सोना और चांदी आज उछाल पर ही बने हुए हैं। कॉमैक्स पर सोना आज 1,984.15 डॉलर प्रति औंस पर है और इसमें 5.35 डॉलर प्रति औंस या 0.27 फीसदी की उछाल के साथ ट्रेड देखा जा रहा है। सोने के ये दाम इसके दिसंबर वायदा के लिए हैं। चांदी में भी ग्लोबल बाजार में उछाल देखा जा रहा है और ये आधा फीसदी की उछाल के साथ बनी हुई है।

सीईओ उत्तराधिकार मसले पर आरबीआई से कोई सूचना नहीं मिली, दिसंबर तक है उदय कोटक का कार्यकाल

नई दिल्ली, एजेंसी। निजी क्षेत्र के कोटक महिंद्रा बैंक ने सोमवार को कहा कि उसे अपने कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के उत्तराधिकार के बारे में रिजर्व बैंक से कोई सूचना नहीं मिली है। इसके वर्तमान सीईओ उदय कोटक का कार्यकाल इस साल दिसंबर में समाप्त हो रहा है और सीईओ के कार्यकाल को सीमित करने से जुड़े आरबीआई के नए नियमों के अनुसार, वह कार्यालय में नहीं बने रह सकते हैं।

कोटक ने घोषणा की है कि वह ऋणदाता में गैर-कार्यकारी बोर्ड के सदस्य के रूप में बने रहेंगे, जिसमें उनकी हिस्सेदारी 26 प्रतिशत है, जिससे यह प्रमुख प्रमोटर शेयरधारकों वाले निजी क्षेत्र के कुछ बड़े बैंकों में से एक बन गया है। बैंक ने एक बयान में कहा, हम यह बताना चाहते हैं कि आरबीआई की ओर से कोटक महिंद्रा बैंक या उसके निदेशक मंडल के सदस्यों को सीईओ के उत्तराधिकार को लेकर कोई औपचारिक या अनौपचारिक सूचना नहीं दी गई है।

बैंक का यह बयान उस मीडिया रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया के तौर पर आया है, जिसमें कहा गया था कि नियामक बैंक पर किसी बाहरी व्यक्ति को उत्तराधिकारी के रूप में नियुक्त करने के लिए दबाव डाल रहा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि आरबीआई इस बात की समीक्षा कर रहा है कि कोटक महिंद्रा बैंक की पूर्ण स्वामित्व वाली बीमा सहायक कंपनियों में हिस्सेदारी से कोई जोखिम है या नहीं।

इससे पहले मीडिया में आई एक खबर के अनुसार, बैंक ने उत्तराधिकारी की तलाश के लिए एक कार्यकारी खोज फर्म को नियुक्त किया है और केवीएस मणियन और शांति एकांबरम चयन के लिए आंतरिक उम्मीदवारों में शामिल थे। बैंक के बयान में कहा गया है कि उसे बीमा इकाइयों में अपनी हिस्सेदारी की मात्रा के बारे में आरबीआई सहित नियामकों से मंजूरी मिल गई है और इस पहलू पर भी नियामक से कोई सूचना नहीं मिली है। गौरतलब है कि निवेशकों ने हाल ही में उदय कोटक के उत्तराधिकारी के मुद्दे पर कुछ बेचैनी दिखाई है ऐसा शेयर मूल्यों पर दबाव से पता चलता है। उधर, शेयरधारकों को लिखे अपने पत्र में कोटक ने उद्यमशीलता की भावना पर ओवर रेगुलेशन के प्रभाव पर चिंता व्यक्त की है।

35 पैसे का ट्रेवल इंश्योरेंस लिया होता तो 10 लाख रुपये का मिलता क्लेम!

नई दिल्ली, एजेंसी। यह परसों की ही बात है। जयपुर से मुंबई जा रही 12956 एक्सप्रेस वैतरणा स्टेशन के आसपास थी। तभी ऑन ड्यूटी आरपीएफ कांस्टेबल चेतन सिंह ने इस्कोर्ट पार्टी इनचार्ज एएसआई टीकाराम मीना की गोली मार कर हत्या कर दी। इसके बाद तीन और यात्रियों को भी निशाना बनाया। इन तीनों यात्रियों को रेलवे द्वारा घोषित मुआवजा और बीमा का लाभ तो मिलेगा। लेकिन उन यात्रियों ने यदि आईआरसीटीसी का 35 पैसे का ट्रेवल इंश्योरेंस लिया होता तो उन्हें 10 लाख रुपये का और मुआवजा मिल जाता।

हैवान कांस्टेबल चेतन सिंह ने परसों चलती ट्रेन में फायरिंग कर अपने बॉस समेत चार लोगों की जान ले ली थी। इस फायरिंग में तीन बेगुनाह यात्रियों- सैयद सैफुद्दी, अब्दुल कादिर और असगर काई की जान चली गई थी। इनमें से सैयद सैफुद्दीन महज 48 साल के थे। अब उनके परिवार में पत्नी और तीन बेटियां बची हैं। वही अपने परिवार का अकेला कमाने वाला था। अभी उनके परिवार को जो भी सहायता मिलेगी, कम है। ऐसे में 10 लाख का ट्रेवल इंश्योरेंस उनके कितना काम आता, आप भी समझ सकते हैं। आज हम बता रहे हैं 35 पैसे में 10 लाख रुपये के ट्रेवल इंश्योरेंस के बारे में।

क्या है 35 पैसे का ट्रेवल इंश्योरेंस

यदि आप आईआरसीटीसी की वेबसाइट से ट्रेन का टिकट बुक कराते हैं तो आपको महज 35 पैसे में 10 लाख रुपये के ट्रेवल इंश्योरेंस की सुविधा मिलती है। इस इंश्योरेंस की पॉलिसी खरीदने के बाद यदि किसी दुर्घटना या अन्य वजह से आपकी जान जाती है तो आपके परिजनों को 10 लाख रुपये का क्लेम मिलेगा।

कुछ और भी लाभ हैं

यदि आप आईआरसीटीसी का ट्रेवल इंश्योरेंस लेते हैं और ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त हो जाती है। या फिर आप किसी अन्य अप्रिय घटना का शिकार होते हैं। इससे होने वाली मृत्यु और स्थायी अक्षमता (परमानेंट डिसेबिलिटी) पर 10 लाख रुपये का कवरेज मिलता है। स्थायी आंशिक अक्षमता के लिए 7.5 लाख रुपये मिलते हैं। जख्मी होने पर अस्पताल में होने वाले खर्चों के लिए 2 लाख रुपये का कवरेज होता है।

क्या सिर्फ एक्सीडेंट में ही मिलेगा कवरेज?

अक्सर लोग सवाल करते हैं कि ट्रेवल इंश्योरेंस में क्लेम सिर्फ रेल एक्सीडेंट में ही मिलता है तो इसका जवाब है नहीं। ट्रेन एक्सीडेंट में तो ट्रेवल इंश्योरेंस का क्लेम मिलेगा ही। इसके साथ ही ट्रेन यात्रा के दौरान अप्रिय दुर्घटना, डकैती और अन्य हिंसक कृत्यों जैसे घटनाओं को इस पॉलिसी के तहत कवर किए जाते हैं।

कैसे लें इसका लाभ

ऑनलाइन टिकट बुक करते समय शायद आपने ध्यान दिया होगा। वहां सबसे नीचे आपको ट्रेवल इंश्योरेंस का विकल्प दिखेगा। इसमें हां पर क्लिक करते ही आपसे ट्रेवल इंश्योरेंस का प्रीमियम ले लिय जाएगा। टिकट बुक होने के बाद स्क्र और ईमेल के जरिए इंश्योरेंस की जानकारी आपको मिल जाएगी।

महिलाओं ने सौंदर्य प्रसाधन उत्पादों पर छह महीने में खर्च किए 5000 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। एक ओर जहां जरूरी वस्तुओं की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं, वहीं दूसरी ओर पिछले छह महीने में 5,000 करोड़ रुपये के लिपिस्टिक जैसे सौंदर्य प्रसाधन उत्पाद बिक गए। कांतार की रिपोर्ट के मुताबिक, देश के शीर्ष-10 शहरों में सौंदर्य उत्पादनों पर यह खर्च किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इन उत्पादों की खरीदारी करने वाली सभी महिलाएं कामकाजी हैं।मेकअप की बिक्री में सर्वाधिक योगदान इन्हीं महिलाओं का है।कॉस्मेटिक खरीदारों की कुल भुगतान राशि का औसतन 1.6 गुना खर्च कामकाजी महिलाएं ही करती हैं।कुल बिक्री में ऑनलाइन खरीदारी की हिस्सेदारी 40 फीसदी रही।दुकानदारों के कहने पर 36 फीसदी सौंदर्य प्रसाधन उत्पाद खरीदे जाते हैं।

कुल खरीदारी में लिपिस्टिक की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा 38 फीसदी रही।छह महीने में 3.1 करोड़ लिपिस्टिक, 2.6 करोड़ नेलपॉलिश, 2.3 करोड़ आंखों से जुड़े उत्पाद और 2.2 करोड़ चेहरों के उत्पाद खरीदे गए हैं। अध्ययन में कहा गया है कि महिलाओं की बढ़ती भागीदारी के कारण सौंदर्य प्रधासन क्षेत्र में तेजी से वृद्धि हो सकती है।

मीशो ने छह महीने में 52 लाख नकली, प्रतिबंधित उत्पादों को अपने मंच से हटाया

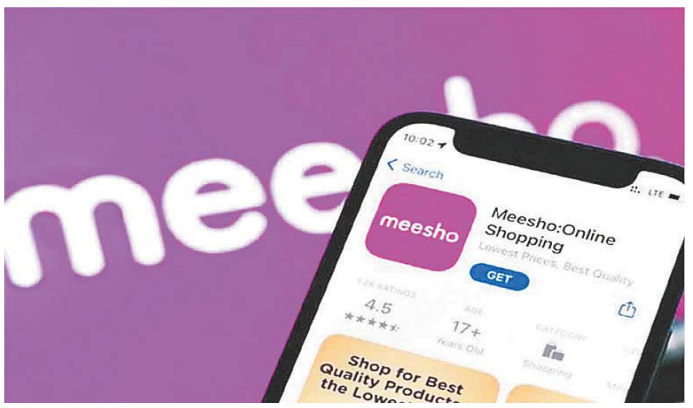

नई दिल्ली, एजेंसी। सॉफ्टबैंक समर्थित ई-कॉमर्स कंपनी मीशो ने पिछले छह महीने में करीब 42 लाख नकली व नियमों का उल्लंघन करने वाले उत्पाद और 10 लाख प्रतिबंधित उत्पादों को अपने मंच से हटाया है। कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। मीशो के एक अधिकारी ने बताया कि हटाए गए उत्पाद मीशो के मंच पर सूचीबद्ध कुल उत्पादों के पांच प्रतिशत से भी कम हैं। कंपनी के अनुसार, 'प्रोजेक्ट सुरक्षा प्रणाली ने 12,000 से अधिक नियमों का उल्लंघन करने वाले विक्रेताओं के खातों का पता लगाया है और उनकी मंच तक पहुंच प्रतिबंधित की। मीशो की ओर से जारी बयान के अनुसार, इस परियोजना के प्रभावशाली परिणाम मिले हैं। पिछले छह महीने में करीब 42 लाख नकली व नियमों का उल्लंघन करने वाले उत्पाद और 10 लाख प्रतिबंधित उत्पाद मंच से हटाए गए हैं। कंपनी के संस्थापक व मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी संजीव बर्नवाल ने कहा कि कंपनी ने गुणवत्ता जांच को लगातार बेहतर करने और नकली उत्पादों व नियमों का उल्लंघन करने वाले विक्रेताओं की प्रभावी ढंग से पहचान करने के लिए उन्नत प्रोद्यौगिकी का इस्तेमाल किया।

अनिल अंबानी की कंगाल करने वाली कंपनी फिर से कर रही मालामाल

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्ज के जंजाल में फंसी अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के शेयरों की कीमतों में 7 प्रतिशत से अधिक चढ़ गए। बुधवार को रिलायंस पावर के शेयर 16.98 रपये के लेवल पर ओपन हुआ था। लेकिन देखते ही देखते कंपनी के शेयरों का भाव 18.30 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। बता दें, अनिल अंबानी की कंपनी बीएसई में दोपहर 2 बजे के करीब 5 प्रतिशत की तेजी के साथ 17.95 रुपये के आस-पास ट्रेड कर रहा था। पिछले एक महीने के दौरान रिलायंस पावर के शेयरों की कीमतों में 19 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, 6 महीने पहले अनिल अंबानी की इस कंपनी का शेयर जिस निवेशक ने खरीदा होगा उनका पैसा अबतक होल्ड करने पर 48 प्रतिशत तक बढ़ गया होगा।

ई-कामर्स उद्योग में बढ़ेगी सात लाख गिग नौकरियां, फेस्टिव सीजन में बढ़ी अस्थायी कर्मचारियों की डिमांड

नई दिल्ली, एजेंसी। साल 2023 की दूसरी छमाही में ई-कामर्स उद्योग में सात लाख गिग नौकरियां सृजित हो सकती हैं। इसका कारण यह है कि कंपनियां त्योहारी सीजन के दौरान ग्राहकों को बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए अस्थायी कर्मचारियों की संख्या बढ़ा रही हैं। स्टाफिंग कंपनी टीमलीज सर्विसेज की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ई-कामर्स कंपनियों त्योहारी सीजन से पहले वार्षिक खरीदारी के दौरान उपभोक्ताओं की मांगों को पूरा करने के लिए कमर कस रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष त्योहारी सीजन में पिछले वर्ष के मुकाबले गिग नौकरियों की संख्या में 25 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है।

मुसीबत में फंसी आयुष्मान-अनन्या की 'ड्रीम गर्ल 2', पंजाबी एक्टर-लेखक ने भेजा कानूनी नोटिस

आयुष्मान खुराना एक बार फिर से 'ड्रीम गर्ल-2' के साथ फैंस के बीच लौट रहे हैं। उनकी मोस्ट अवेटेड फिल्म ड्रीम गर्ल 2 का ट्रेलर हाल ही में मेकर्स ने रिलीज किया है। एकता कपूर के बालाजी प्रोडक्शन में बनी इस फिल्म पर अब काले बादल मंडराने लगे है। आयुष्मान-अनन्या पांडे स्टारर 'ड्रीम गर्ल-2' के मेकर्स को पंजाबी एक्टर और लेखक नरेश कथूरिया ने कानूनी नोटिस भेज दिया है। एकता कपूर की फिल्म से नरेश कथूरिया बतौर स्क्रीन राइटर बॉलीवुड में कदम रखने की तैयारी कर रहे हैं। स्पॉटबॉय.कॉम में छपी रिपोर्ट्स की मानें तो पंजाबी सिनेमा में बतौर स्क्रीन राइटर, प्रोड्यूसर और एक्टर अपनी पहचान बनाने वाले नरेश कथूरिया ने 'ड्रीम गर्ल-2' के निमार्ताओं को फिल्म के ट्रेलर क्रेडिट स्लेट में उनका नाम शामिल न करने के लिए नोटिस भेजा है। नोटिस के मुताबिक, नरेश ने फिल्म की स्क्रिप्ट और स्क्रीनप्ले लिखा है, जिसे थिंकिंक पिक्चर्स, बालाजी टेलीफिल्म्स, पेन मरुधर सिने एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड और जी सिनेमा ने मिलकर प्रोड्यूस किया गया है। नोटिस के अनुसार, राइटर एग्रीमेंट के तहत, मेकर्स और नरेश ने ये निर्णय लिया था कि क्रेडिट स्लेट में हर जगह उनका नाम मेंशन होगा।

इस नोटिस में आगे ये बताया गया कि मूवी क्रेडिट अप्रूवल के लिए राइटर के पास भेजे गए थे, जहां मेकर्स चाहते थे कि ट्रेलर के 'स्टोरी बाय' सेक्शन में वह निर्देशक राज शांडिल्या का नाम जोड़े। जबकि मेकर्स से ये भी कहा गया था कि ये कहानी निर्देशक की नहीं है, ऐसे में ये सभी के लिए गलत होगा। नोटिस में ये भी बताया गया कि कथूरिया को तब झटका लगा जब मेकर्स ने उनका नाम हटाकर राज का नाम ट्रेलर में डाल दिया। उन्हें यूट्यूब में वीडियो सेक्शन में भी डिस्क्रिप्शन में कोई क्रेडिट नहीं दिया गया।

डिजाइनर कपड़े नहीं पहनतीं सारा अली खान, बोलीं- हर वक्त सेलिब्रिटी बनकर नहीं रह सकती...

सारा अली खान अक्सर मीडिया की सुर्खियों में रहती हैं। अपनी फिल्मों के साथ-साथ वह अपने सोशल मीडिया पोस्ट और शायरी की वजह से भी फैंस के बीच छाई रहती हैं। सारा जमीन से जुड़ी हुई एक्ट्रेस हैं। बॉलीवुड की चर्चित अदाकारा होने और इतने बड़े घराने से ताल्लुक रखने के बावजूद वह काफी सादगी भरा जीवन जीना पसंद करती हैं। सुनकर शायद हैरानी हो, लेकिन एक्ट्रेस के पास एक भी जोड़ी डिजाइनर कपड़े नहीं हैं। खुद सारा ने यह खुलासा किया है।

सैफ अली खान और अमृता सिंह की बेटी सारा अली खान ने हाल ही में खुलासा किया कि वह हर वक्त सेलिब्रिटी बनकर नहीं रह सकतीं। उन्होंने इसकी वजह भी बताई। एक्ट्रेस ने कहा कि जब वह फिल्म के सेट पर नहीं होतीं तो उन्हें सेलिब्रिटी की तरह रहने की जरूरत महसूस नहीं होती और न ही उन्हें यह पसंद है। सारा ने कहा, 'लोग मशहूर हस्तियों से ईमानदारी और प्रामाणिकता की तलाश कर रहे हैं'।

मनीषा पर भड़के एल्विश

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के कॉन्ट्रोवर्शियल रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी 2 अब फिनाले वीक के करीब है। इस शो के फिनाले में अब सिर्फ 2 हफ्ते का वक्त बाकी है। ऐसे में हर दिन शो में कुछ ना कुछ नया देखने को मिल रहा है। जहां बीते दिनों कंटेस्टेंट की परिवार वाले उनसे मिलने और उनका हौंसला बढ़ाने आए थे। वहीं बीते दिन शो को अपना पहला फाइनलिस्ट मिल गया है। अभिषेक मल्हार को शो का पहला फाइलिस्ट बनाया गया है। इसी बीच मनीषा रानी और एल्विश यादव का एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है। जिसमें एल्विश मनीषा पर भड़कते हुए नजर आ रहे हैं।

दरअसल हुआ कुछ यूं कि 'मनीषा किचन में काम रही होती हैं और वह एल्विश से आलू छीलने के लिए कहती हैं। आलू छीलते हुए दोनों का हाथ हाथ प्रेशर कुकर में टच हो जाता है। फिर क्या था। मनीषा की मस्ती शुरू हो जाती है। मनीषा एल्विश से कहती हैं कि आपको पता है कि हमारे भारत में शादी के वक्त एक रश्म होती है। जिसमें एक थाली में अंगूठी डाली जाती है और दूल्हा-दुल्हन को साथ में वो रिंग निकालनी होती है। इस पर एल्विश कहते हैं कि मुझे क्या पता मेरी कौनसी शादी हुई है।'

मनीषा कहती हैं कि 'घर से बाहर जाने के बाद जब मैं ये सब क्लिप देखूंगी तो मुझे हंसी जरूर आएगी। इस पर एल्विश कहते हैं कि हंसी नहीं शर्म आएगी। तू सोचेगी क्या मैं ये फालतु में फ्लर्टिंग और चिपका-चिपकी करती थी। इसके बाद एल्विश उनसे कहते हैं कि जब तेरी शादी होगी तो तेरे पति को इन क्लिप्स को काट-काट कर दिखाऊंगा कि देख ये मेरे साथ क्या-क्या करती थी। इसके बाद मनीषा हंसने लगती हैं।'

एल्विश और मनीषा का यह वीडियो देखने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों का मनना है कि एल्विश अब मनाषा से दूरियां बना रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा कि एल्विश वैसे काफी कूल बनते हैं कि लेकिन वह प्यार के चक्कर में नहीं पड़ सकते। क्योंकि उनके घर वाले काफी सख्त हैं। इसलिए वह मनीषा से काफी बार बोल भी चुके हैं कि ये फ्लर्टिंग करना बंद कर दो। यहां तक की अभिषेक भी मनीषा को यही समझाते हैं।

सारा को फर्क नहीं पड़ता

सारा अली खान कई बार ट्रोलर्स के निशाने पर भी रहती हैं। एक्ट्रेस कुछ दिनों पहले मंदिर जाने और पूजा करने को लेकर भी बुरी तरह ट्रोल हुई थीं। अब एक्ट्रेस ने इस ट्रोलिंग पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। एक्ट्रेस ने कहा, "मैंने सीखा है कि मेरी किसी भी चीज को मानने की भावना किसी दूसरे की वजह से नहीं आनी चाहिए, जिसमें मैं कैसे दिखती हूं, ये भी शामिल है। मैं उन गुणों के साथ बड़ी हुई जो मुझमें जन्मजात और मेरे खून में है, क्योंकि ये सोच मेरे अंदर एक सुरक्षित जगह पर अपनी जड़े जमा चुकी है, इसलिए अब मैं अपने बारे में दूसरे लोगों की राय से हैरान नहीं होती हूं।

उन्होंने आगे कहा कि अंदर से मैं अभी भी वही लड़की हूं, जो जो रूसी इतिहास का पढ़ने के लिए कोलंबिया गई थी। मुझे लगता है कि अपने बारे में मजबूत समझ रखना और लोग मेरे बारे में क्या सोचते हैं, उससे खुद को परिभाषित न करना ही आगे बढ़ने का एकमात्र तरीका है।

मंदिर जाने और अपनी धार्मिक मान्यताओं को लेकर ट्रोलिंग पर सारा ने कहा कि जब मेरे काम की बात आती है तो मैं निश्चित रूप से किसी भी तरह की आलोचना की सराहना करती हूं। मैं दर्शकों के लिए काम करती हूं और अगर उन्हें मेरा काम पसंद नहीं आता है, तो यह मेरा दायित्व है कि मैं देखूं कि मैं क्या बेहतर कर सकती हूं, लेकिन अगर वो मेरी पर्सनल लाइफ पर कुछ बोलते हैं, चाहे वो मेरी धार्मिक आस्था हो, मेरे कपड़े पहनने का तरीका हो, या एयरपोर्ट पर मेरे बिना ब्लो-ड्राई किए बाल हों, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता है।

पेरिस के पूल में अवनीत की मस्ती

अवनीत कौर ने हाल ही में अपना बॉलीवुड डेब्यू किया। उनकी पहली फिल्म टीकू वेड्स शेरू अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। अवनीत की एक्टिंग और फिल्म दोनों को दर्शकों ने खूब पसंद किया। डेब्यू फिल्म की सक्सेस का जश्न अवनीत भी मना रही हैं। फिल्म की सफलता के बाद से ही अवनीत कौर यूरोप के टूर पर हैं। इन दिनों वह फ्रांस की राजधानी पेरिस में हैं। पेरिस से अवनीत ने कई तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में अवनीत कौर अपने होटल के पूल में मस्ती करती नजर आईं। अवनीत कौर के फैंस को उनकी ये तस्वीरें काफी पसंद आ रही हैं। फैंस दिल खोलकर अवनीत कौर की तारीफ कर रहे हैं। बता दें कि अवनीत कौर टीवी की दुनिया का चर्चित नाम हैं। अवनीत सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com .